शिक्षण
Teaching

शिक्षण शब्द 'शिक्ष' धातु से मिलकर बना है जिसका तात्पर्य है- सीख देना या सिखाना। अंग्रेजी में Teaching शब्द का प्रयोग अत्यन्त व्यापक रूप में किया जाता है। इसके तीन अर्थ प्रायः प्रचलित है।

प्रथम - ज्ञान राशि या डाक्ट्रिन के अर्थ में जिसके द्वारा उस ज्ञान या ज्ञान-पुंज का बोध होता है जिसे व्यक्ति को सीखना है या उसे सिखाया जाता है। जैसे- चर्च, कुरान या भगवद्गीता की टीचिंग।

द्वितीय - टीचिंग शब्द उस व्यवसाय या पेशे के लिए प्रयुक्त होता है जिसमें एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को प्रशिक्षित करने की जिम्मेदारी लेता है। परिमाणात्मक दृष्टि से हर समाज में इस व्यवसाय वाले सदस्यों की संख्या प्रायः अधिक हुआ करती है।

तृतीय - उस क्रिया या प्रणाली के अर्थ में जिसके माध्यम से हम दूसरों में ज्ञान संचारित करते हैं, नवीन कौशल आर्जित कराते हैं। तथा ~~समाजोपयोगी~~ मूल्यों एवं अभिवृत्तियों का आधिग्रहण कराने की चेष्टा करते हैं। इस तीसरे अर्थ में जान ड्यूवेकर ने शिक्षण की परिभाषा देते हुए बताया कि "किसी परिस्थिति की व्यवस्था तथा उसमें हेर-फेर लाने की उस प्रक्रिया को शिक्षण कहा जाता है जिसके

Scanned with CamScanner

अन्तर्गत परिस्थितिगत कठिनाइयों या अवरोधकों पर विजय प्राप्त करने की चेष्टा में अधिगम घटित होता है।"

दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षण का अर्थ (Meaning of Teaching in philosophical perspective) :- शिक्षा दर्शन के विभिन्न सम्प्रदायों ने भी 'शिक्षण' शब्द की व्याख्या की है। विचारवादी दर्शन में शिक्षण का अर्थ एक ऐसी क्रिया से लगाया जाता है जिसमें शिक्षक अपने छात्र को आत्मानुभूति की ओर बढ़ने में मदद देता है। यहां आत्मानुभूति से तात्पर्य अपने आत्मन (Self) के वास्तविक स्वरूप को भलीभांति पहिचानने एवं समझने से है।

यथार्थवादी दर्शन के अनुसार शिक्षण एक व्यवस्थित प्रक्रिया है जिसके तहत एक व्यक्ति (शिक्षक) दूसरे व्यक्ति (शिक्षार्थी) की विकास प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है एवं इस दृष्टि से उसका नियन्त्रण एवं संचालन करता है।

प्रकृतिवादी दर्शन में शिक्षण एक ऐसी क्रिया है जिसमें बालक के स्वाभाविक विकास को बिना किसी बाह्य हस्तक्षेप के संवर्धित या पुष्ट किया जाता है।

प्रयोजनवादी दर्शन शिक्षण को एक प्रकार की व्यवस्था मानता है जिसमें शिक्षार्थी अपनी परिस्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करते हुए अपने अर्जित अनुभवों के माध्यम से अपेक्षित सूझ बूझ, अन्तर्दृष्टि एवं कुशलता ग्रहण करता है। प्राचीन भारतीय सन्दर्भ में शिक्षण तथा अधिगम दोनों प्रक्रियाओं को समन्वित रूप दिया गया था तथा शिक्षक तथा शिक्षार्थी को एक साथ साधना के पथ पर चलने का आदर्श अपनाया गया था। शिक्षक को शिक्षण का सूत्र रूप तथा विद्यार्थी को उत्तर रूप, विद्या को सन्धि तथा प्रवचन को जोड़ने वाला तत्व माना जाता था।

Scanned with CamScanner

मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य मे शिक्षण का अर्थ
Meaning of teaching in Psychological perspective

शिक्षा मनोवैज्ञानिको ने शिक्षण तथा उसकी प्रक्रिया को अधिगम की धारणा के अनुसार स्पष्ट करने की कोशिश की है। व्यवहारवादी अधिगम सिद्धान्त को मानने वाले मनोवैज्ञानिक जिन्होंने अनुबन्धन की धारणा को विकसित किया है, शिक्षण को एक बाह्य या बाहरी प्रभाव से उत्पन्न क्रिया माना है। उनकी दृष्टि मे शिक्षण एक ऐसी व्यवस्था है जिसके द्वारा उद्दीपक अनुक्रिया साहचर्य या सम्बन्ध स्थापित करने मे सहायता दी जाती है अथवा यह भी कहा जा सकता है कि इसके अन्तर्गत ढाल द्वारा व्यक्त अनुक्रिया की बारम्बारिता के अनुसार प्रबल बनाने की स्पष्ट कोशिश होती है। यह प्रक्रिया किसी विभेदन उद्दीपक की उपस्थिति या अनुपस्थिति मे अनुक्रिया के घटित होने की सम्भावना को बढ़ाने हेतु प्रबलन के प्रयोग पर आधारित है। शिक्षण के इस अर्थ को विकसित करने में थार्नडाइक, वाटसन, पवलाव तथा स्किनर जैसे मनोवैज्ञानिको की अधिगम सम्बन्धी धारणा का बहुत योगदान रहा है।

एक अन्य मनोवैज्ञानिको का सम्प्रदाय जिन्हे संज्ञानात्मक क्षेत्र सिद्धान्त एवं संरचनावादी सोच का समर्थक माना जाता है, शिक्षण को अत्यन्त गतिशील क्रिया मानता है। उसके अनुसार शिक्षण एक ऐसी गतिशील प्रक्रिया है जिसके तहत विद्यार्थी को नवीन परिस्थितियो का सामना करके

Scanned with CamScanner

अपेक्षित अवबोध, सूझ-बूझ एवं आलोचनात्मक चिन्तन विकसित करने में मदद दी जाती है। इस परिप्रेक्ष्य में शिक्षण एक मानसिक क्रिया न बनकर बुनियादी तौर पर गतिशील, विचारशील एवं सृजनात्मक प्रक्रिया का रूप धारण कर लेती है जिसमें छात्र के भीतर सूझ-बूझ वाली प्रत्यक्षज्ञानात्मक अवबोध विकसित करना मुख्य मुद्दा रहता है।

Scanned with CamScanner

शिक्षण TEACHING

शिक्षण वह प्रक्रिया है जिसमे कोई व्यक्ति दूसरे व्यक्ति या व्यक्ति समूह को कुछ बातों का ज्ञान प्रदान करता है। शिक्षण एक व्यापक प्रक्रिया है जिसके अनुसार शिक्षा का तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसमे व्यक्ति अपने आस-पास के वातावरण से जन्म से मृत्यु तक कुछ न कुछ सीखता रहता है।

एकतन्त्र में शिक्षण का अर्थ :-
Autocratic

एकतन्त्र प्रणाली में शिक्षक प्रधान होता है। इस प्रकार के शिक्षण में स्मृति स्तर का शिक्षण किया जाता है तथा अनुशासन प्रक्रिया पूरी तरह से शिक्षक के नियन्त्रण में होती है और इस प्रकार के शिक्षण मे पढ़ाये गये विषय की जाँच पहचान द्वारा किया जाता है।

स्मृति स्तर का शिक्षण प्रतिमान हरबर्ट के द्वारा दिया गया है। स्मृति स्तर का शिक्षण निगमन विधि से दी जाती है। शिक्षक सक्रीय होता है तथा इसमे आदेशात्मक शिक्षण प्रणाली है। इसमे अन्त: क्रिया न होकर छात्र केवल अनुयायी होते हैं।

लोकतन्त्रीय शिक्षण प्रणाली :-
Democratic

इस शिक्षण प्रणाली मे छात्र तथा शिक्षक दोनो सक्रीय होते है। इस प्रकार में विषय केन्द्रित शिक्षण होता है। इसमे छात्र स्वअनुशासित होते है एवं छात्रो मे स्वतन्त्र अनुशासन होता है। इस प्रकार के प्रणाली में बोध स्तर का शिक्षण किया जाता है बोध स्तर का शिक्षण ~~किया व~~ प्रतिमान मॉरीसन विग्गी ने दिया है। इसमे छात्रो तथा शिक्षक के बीच अन्त: क्रिया होती है। अत: ~~इस~~ शिक्षण प्रणाली द्विमार्गी होता है।

Scanned with CamScanner

Laissez faire

हस्तक्षेप रहित शिक्षण प्रणाली :— इस प्रकार के शिक्षण में छात्र में चिन्तन शक्ति, विश्लेषण शक्ति तथा सृजनात्मकता का विकास करना मुख्य होता है। यहा पर शिक्षक की भूमिका केवल मार्गदर्शक, निर्देशक तथा सुगमकर्ता की होती है। यह प्रणाली छात्र केन्द्रित प्रणाली है। इसमे छात्र अधिक सक्रीय होते है। इस प्रणाली मे चिन्तन स्तर का शिक्षण होता है। चिन्तन स्तर का प्रतिमान हण्ट के द्वारा दिया गया है।

Scanned with CamScanner

शिक्षण के प्रकार
Types of teaching

शिक्षण एक सामाजिक प्रक्रिया है। इस पर दार्शनिक, आर्थिक, सामाजिक तथा राजनैतिक विचारधारा का प्रभाव पड़ता है। अतः शिक्षण के अनेक उद्देश्य होते हैं। शिक्षण का विभाजन भी कई प्रकार से किया जाता है। विभाजन के प्रमुख आधार इस प्रकार हैं —

1- शिक्षण के उद्देश्य के आधार पर :-

- ज्ञानात्मक शिक्षण
- बोधात्मक / भावात्मक शिक्षण
- क्रियात्मक / मनोगत्यात्मक शिक्षण

2- शिक्षण के स्तर के आधार पर :

- स्मृति स्तर
- बोध स्तर
- चिन्तन स्तर

Scanned with CamScanner

3 - शासन प्रणाली के आधार पर :-

- एकतान्त्रिक शिक्षण
- लोकतान्त्रिक शिक्षण
- हस्तक्षेप रहित शिक्षण

4 - स्वरूप के आधार पर :-

- वर्णनात्मक शिक्षण (Descriptive teaching)
- निदानात्मक शिक्षण (Dygnostic teaching)
- उपचारात्मक शिक्षण (Remedial teaching)

5 क्रिया के आधार पर :-

- प्रस्तुतीकरण Telling
- प्रदर्शन Showing
- कार्य करना Doing

6 व्यवस्था के आधार पर :-

- औपचारिक शिक्षण
- अनौपचारिक शिक्षण
- निरौपचारिक शिक्षण

Scanned with CamScanner